गुरुवार
20 अक्टूबर 2022
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

पर्व को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट
4

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

छोटी खबरें

समाचार पत्र विक्रेता की संदेहास्पद स्थिति में मौत

बलिया। फेफना निवासी समाचार पत्र विक्रेता महबूब आलम की बुधवार को संदेहादस्पद स्थिति में मौत हो गई। हुआ यूं कि महबूब आलम को उनके घरवाले बुधवार को बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल ले आए। जहां वे कुछ बोलने की हालत में नहीं थे, वहीं घरवालों ने बस इतना ही बताया कि वे महबूब रात को कहीं से घायलावस्था में घर आए थे। स्थानीय इलाज कराने के बाद जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो हम लोग जिला अस्पताल ले गए। जहां उनकी महरहम पट्टी के साथ हाथ में प्लास्टर भी चढ़ाया गया। अस्पताल में कुछ लोगों का यह भी कहना था कि हो सकता है महबूब को किसी ने बुरी तरीके से मारापीटा हो। जिससे उनका हाथ टूटा हो। कुछ भी हो यता जांच का विषय है। महबूब आलम का अखबार के प्रति समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।

बिहार के कई हिस्सों में भूकंप के झटके, कोई नुकसान नहीं

पटना। बिहार के कई हिस्सों में बुधवार की दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र नेपाल काठमांडू से 66 किलोमीटर पूर्व में था। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.4 रही। दोपहर 2 बजकर 52 मिनट बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। कम तीव्रता होने के कारण किसी नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि भूकंप काफी कम समय के लिए था, ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों को झटका महसूस तक नहीं हुआ। हलांकि कई जगहों पर लोगों को इस बात का अहसास हुआ तो वे तुरंत घर से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि सुरक्षा की दृष्टि से गोपालगंज में 10 मिनट के लिए बिजली काटी गयी थी।

मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए अध्यक्ष, 9500 में से 7897 सदस्यों के रहे पहली पसंद

केटी न्यूज/पटना

कांग्रेस पार्टी में 24 साल के लंबे अंतराल के बाद गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति नया अध्यक्ष अब पार्टी की कमान संभालेगा। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने शानदार जीत हासिल की है। अध्यक्ष पद के चुनाव में खड़गे को 7897 वोट मिले हैं, वहीं शशि थरूर को सिर्फ 1000 के करीब ही वोट मिले। समाचार एजेंसी ने जानकारी दी है कि करीब 416 वोट खारिज हो गए। खुद शशि थरूर ने ट्वीट कर खडगे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने को सम्मान की बात बताया है। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने जानकारी दी है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए करीब 96 प्रतिशत मतदान था। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राहुल गांधी और कई वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 9500 निर्वाचक मंडल के सदस्यों ने सोमवार को वोट डाला था।

137 के इतिहास में सिर्फ 6 बार चुनावः कांग्रेस पार्टी के 137 साल के इतिहास में अभी तक अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ 6 बार चुनाव हुए हैं। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी कि कांग्रेस में 1939, 1950, 1977, 1997 और 2000 में चुनाव हुए थे और

- 24 साल बाद गांधी परिवार से बाहर का कोई व्यक्ति संभालेगा पार्टी की कमान
- खड़गे के प्रतिद्वंदी शशि थरूर को करीब 1000 वोट मिले, करीब 416 वोट खारिज हुए
- सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राहुल गांधी सहित करीब 9500 निर्वाचक मंडल के सदस्यों ने डाला था वोट

सोनिया गांधी ने मल्लिकार्जुन को उनके आवास पर जाकर दी बधाई

मल्लिकार्जुन खड़गे की जीत पर पूरे देश से उन्हें शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। इस क्रम में गांधी परिवार ने भी खड़गे को जीत की बधाई दी है। सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनके घर जाकर जीत पर खुशी जताई है। वहीं, भारत जोड़ो यात्रा पर गए राहुल गांधी ने भी खड़गे के लिए शुभकामना संदेश भेजा है। इस मौके पर बुधवार को पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने निर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके आवास पर जाकर बधाई दी। वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, "कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर मल्लिकार्जुन खड़गे को शुभकामनाएं। कांग्रेस अध्यक्ष भारतीय लोकतंत्र का प्रतिनिधित्व करता है। उनका विशाल अनुभव व आदर्श पार्टी के लिए बेहतर साबित होगा।'

अब 22 वर्षों के बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में 24 साल बाद गांधी परिवार के बाहर कोई नेता कांग्रेस पार्टी की कमान संभालेगा।

स्वच्छ सार्वजनिक छवि के नेता हैं खड़गे : मल्लिकार्जुन खड़गे को स्वच्छ सार्वजनिक छवि वाला एक सक्षम नेता माना जाता है। वह केंद्र सरकार में रेलमंत्री भी रह चुके हैं। कर्नाटक में गुलबर्गा जिले के रहने वाले खड़गे ने 2019 में राज्यसभा चुनाव के दौरान इलेक्शन कमीशन को बताया था कि उनके पास करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो हलफनामा दिया था उसके मुताबिक उनके पास अपने नाम पर कोई गाड़ी नहीं है। खड़गे की पत्नी हाउसवाइफ हैं। उनके नाम पर भी कोई गाड़ी नहीं है। बात मल्लिकार्जुन खड़गे की शिक्षा की करें तो उन्होंने गुलबर्गा के नूतन विद्यालय से स्कूलिंग की। इसके बाद

पुनर्विचार याचिका: बिहार सरकार ने कोर्ट को बताया, अति पिछड़ा के लिए बनाया गया है आयोग

आयोग की अनुशंसा पर निकाय चुनाव में अति पिछड़ों को मिलेगा आरक्षण

- सुनवाई के बाद सरकार ने वापस ली याचिका, दिसम्बर तक चुनाव होने की बढ़ी संभावना

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ा के लिए आयोग गठित किया है। जदयू नेता नवीन आर्या को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है जबकि जदयू प्रवक्ता अरविंद निषाद, ज्ञान चंद्र पटेल और तारकेशव ठाकुर को आयोग का सदस्य बनाया गया है। अब आयोग की अनुशंसा के आधार पर नगर निकाय चुनाव में अति पिछड़ों को आरक्षण मिलेगा। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश संजय करोल तथा एस कुमार की खंडपीठ ने सरकार की ओर से दायर सभी पुनर्विचार अर्जी पर सुनवाई की।

सुनवाई के बाद राज्य सरकार ने दायर सभी पुनर्विचार अर्जी को वापस ले लिया। कोर्ट ने सरकार के अनुरोध को मंजूर करते हुए सभी पुनर्विचार अर्जी को निष्पादित करते हुए स्पष्ट किया कि समर्पित आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव में आरक्षण का लाभ देते हुए चुनाव संपन्न करा ले। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार ट्रिपल टी के पहले चरण में आयोग का गठन कर राजनीतिक पिछड़ेपन का अध्ययन कराना है। इस तरह दिसम्बर तक नगर निकाय चुनाव संपन्न होने की संभावना बढ़ गई है।

अति पिछड़ों के राजनीतिक पिछड़ेपन का होगा अध्ययन

राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विकास सिंह, मनिंद्र सिंह तथा महाधिवक्ता ललित किशोर ने पक्ष रखा। वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट दिनेश द्विवेदी ने पक्ष रखा। अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि सरकार राजनीतिक पिछड़ेपन का अध्ययन कराने के लिए वर्ष 2006 में अत्यंत पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया था। उनका कहना था कि हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में अति पिछड़ा वर्ग आयोग (ईबीसी) आयोग को ही एक समर्पित आयोग का दर्जा दिया गया है। इसके रिक्त पदों पर नियुक्ति कर दी गई है। समर्पित आयोग को ईबीसी के राजनीतिक पिछड़ेपन को देख रिपोर्ट तैयार कर सरकार को देने का निर्देश दिया गया है। सरकार का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले राज्य सरकार ने ईबीसी को आरक्षण देने के लिए मुंगेरी लाल कमीशन का गठन किया था। मुंगेरी लाल कमीशन की रिपोर्ट को सरकार ने मंजूर किया था। इसी के आधार पर ईबीसी को आरक्षण देते हुए पंचायत और नगर निकाय चुनाव कराए गए थे।

समर्पित आयोग की रिपोर्ट के बाद होगा चुनाव

समर्पित आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होते ही राज्य निर्वाचन आयोग नगर निकाय चुनाव में ईबीसी को आरक्षण देते हुए चुनाव संपन्न कराएगा। गौरतलब है कि गत 4 अक्टूबर को पटना हाईकोर्ट ने नगर निकाय चुनाव में ओबीसी/ ईबीसी को दिए गए आरक्षण को गैरकानूनी करार देते हुए आरक्षित सीट को अनारक्षित मान चुनाव कराने का आदेश दिया था। नगर निकाय चुनाव दो चरणों में होना था। पहले चरण का चुनाव 10 अक्टूबर को तो दूसरे चरण का चुनाव 20 अक्टूबर को होना था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय चुनाव को स्थगित कर दिया। इस स्थगन के खिलाफ जदयू और भाजपा ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए थे।

भाजपा ने कसा तंज, कोर्ट में सरकार की हुई फजीहत

इधर, ओबीसी आरक्षण के लिए आयोग गठित होने को बीजेपी अपनी जीत बता रही है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने कहा बिहार में नगर निकायों के चुनाव में राज्य सरकार की पटना उच्च न्यायालय में पहले ही काफी फजीहत हो चुकी है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में यह कहा कि राज्य की सरकार उच्चतम न्यायालय के निर्णय का उल्लंघन करके चुनाव नहीं करवा सकती है। इसके बाद जब बीजेपी ने सरकार से मांग की कि बिना पिछड़ों को आरक्षण दिए चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं और इसके लिए पूरे प्रदेश में धरना दिया गया। इसके बाद सरकार ने उच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन दायर करके ही कोर्ट के आदेश में बदलाव कराने का प्रयास किया लेकिन जब उन्हें इसमें भी सफलता नहीं मिली तब राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में आयोग गठन की घोषणा की। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने भी नीतीश सरकार पर तंज कसा है।

रबी महाभियान

रबी 2022 की सफलता के लिए रबी महाभियान की शुरूआत की जा रही है। इस महाभियान में किसानों को रबी मौसम से संबंधित कृषि विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, साथ ही फसल अवशेष प्रबंधन एवं खेतों में फसल अवशेष को जलाने से मिट्टी एवं पर्यावरण को होनेवाले नुकसान के प्रति जागरूक किया जायेगा। रबी महाभियान को सफल बनाने के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रचार रथों को रवाना किया। राज्य के सभी जिलों के पंचायतों में 15 नवम्बर से 05 दिसम्बर तक किसान चौपाल का आयोजन किया जायेगा, जिसमें लगभग 12.5 लाख किसान भाग लेंगे।

पटना में अपराधियों का तांडव, हरनौत की मुखिया के पति की गोली मारकर हत्या

- पटना के पाटलिपुत्र स्थित पानी टंकी के पास कार रुकवाकर मारी छह गोली

केटी न्यूज/पटना

बिहार में एक बार फिर अपराधी बेलगाम होते जा रहे हैं। सरकार भले ही सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने का दावा करती रहे लेकिन सच्चाई यही है कि अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि खुलेआम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ताजा मामला राजधानी पटना का है जब नालंदा के हरनौत की मुखिया के पति धीरज सिंह की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। धीरज सिंह मोकामा के पूर्व विधायक व बाहुबली नेता अनंत सिंह के करीबी बताए जाते हैं। घटना पटना में पाटलिपुत्र स्थित पानी टंकी के पास सुबह करीब नौ बजे की है। जानकारी के अनुसार घात लगाए बैठे अपराधियों ने पहले पूर्व मुखिया की कार रुकवाई, उसके बाद दनादन छह गोलियां चलाकर जान ले ली। हत्या के बाद अपराधी मौके से भाग निकले। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इधर, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की सूचना मिलते ही एएसपी काम्या मिश्रा मौके पर पहुंची। उनके साथ आसपास के तीन थाने एसकेपुरी, पाटलिपुत्रा और बुद्धा कॉलनी की पुलिस भी पहुंचे। जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई। धीरज सिंह पटना में एसके पुरी थाना के तहत शिवपुरी इलाके में किराए पर अपने परिवार के साथ रह रहे थे। वह मूल रूप से नालंदा जिले के हरनौत थाना के तहत डेली गांव के रहने वाले थे। धीरज की पत्नी मंजूषा कुमारी हरनौत के नियोसा पंचायत की मुखिया हैं। हरनौत के फंटू सिंह मर्डर केस सहित 3 आपराधिक मामलों में धीरज आरोपी थे। धीरज सिंह पिछले साल जेल से रिहा हुआ थे। शुरूआती जांच में हत्या की वजह विवाद ही सामने आई है।

खुशखबरी: जल्द होगा एचआईवी मरीजों की शिकायतों का निष्पादन

केटी न्यूज/पटना

- अस्पताल उपाधीक्षक शिकायतों का करेंगे निष्पादन
- ससमय शिकायतों का होगा निष्पादन
- 68,211 चिह्नित एचआईवी पॉजिटिव मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही है दवा

एचआईवी पॉजिटिव मरीजों के उपचार से संबंधित किसी भी शिकायत का निष्पादन करना अस्पताल उपाधीक्षकों की जिम्मेदारी होगी। इसके लिए राज्य के सभी सदर अस्पताल और अनुमंडलीय अस्पतालों के नामित उपाधीक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक अंशुल अग्रवाल ने पत्र के माध्यम से जानकारी दी है कि आगामी 21 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल सभी नामित उपाधीक्षकों को एचआईवी एवं एड्स के बचाव एवं नियंत्रण से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में वैसे उपाधीक्षक भाग लेंगे जिन्हें समिति के द्वारा एचआईवी एवं एड्स अधिनियम 2017 के अंतर्गत कंप्लेंट ऑफिसर नामित किया गया है।

संक्रमित व्यक्तियों का अब होगा ससमय शिकायतों का निष्पादन : अस्पतालों के उपाधीक्षकों के प्रशिक्षण को लेकर बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अपर परियोजना निदेशक ने कहा कि पूरे राज्य में अभी तक 68,211 चिह्नित मरीजों को एचआईवी से संबंधित दवाएं दी जा रही हैं। बावजूद अगर कोई शिकायत आती है तो सदर अस्पताल और अनुमंडलीय अस्पतालों के उपाधीक्षकों को उनकी शिकायतों का निष्पादन करने के लिए नामित किया गया है। मरीजों की शिकायतों को ससमय और नियमावली के अनुरूप निष्पादन के लिए प्रशिक्षण के दौरान दिशा निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही प्रशिक्षण में उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी के बारे में अवगत कराया जाएगा, ताकि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की प्राप्त शिकायतों का निष्पादन उनके द्वारा किया जा सके।

शिकायती पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण : वहीं, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के संयुक्त निदेशक मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि मार्च 2021 में बिहार सरकार के राजपत्र प्रकाशन के साथ ही पूरे राज्य में एचआईवी/एड्स (प्रीवेंशन एण्ड कंट्रोल) एक्ट-2017 प्रभावी रूप से लागू हो गया है। जिसके अंतर्गत एचआईवी संक्रमित व्यक्तिओं की शिकायत के निवारण हेतु राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों एवं चिकित्सा महाविद्यालयों में शिकायत पदाधिकारी नामित किया जा चुका है। इन शिकायत पदाधिकारियों का आवश्यकतानुसार उन्मुखीकरण किया जाना आवश्यक है।

किशनगंज में सातवीं कक्षा की पेपर में कश्मीर को बताया अलग देश, बवाल

पटना। बिहार के किशनगंज जिले में सातवीं कक्षा की पेपर में कश्मीर को अलग देश बताने का मामला सामने आया है। मामले ने इस कदर तूल पकड़ा कि इसे लेकर शिक्षा विभाग ने जांच के आदेश जारी कर दिया है। पूछा गया है कि आखिर ये चूक कैसे हुई। परीक्षा पेपर में कश्मीर को अलग देश बताए जाने पर भाजपा ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि प्रश्न ही बताता है कि बिहार सरकार के सरकारी पदाधिकारी और बिहार सरकार कश्मीर को भारत का अंग नहीं मानती है।

बिजली विभाग का एग्जीक्यूटिव इंजीनियर 2 लाख रुपए घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

राजधानी में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम बिजली विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को 2 लाख रुपए घूस लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आयकर गोलंबर के पास स्थित विद्युत भवन में पोस्टेड एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार पहले से ही घूस लेने के मामले में शक के दायरे में थे। इनके बारे में निगरानी विभाग को कई शिकायतें मिली थीं। इसी आधार पर बुधवार की सुबह 11 बजे के करीब निगरानी के डीएसपी संजय कुमार जायसवाल की अगुवाई में एक टीम विद्युत भवन पहुंची। जैसे ही राकेश कुमार ने अपने हाथों में रिश्वत के 2 लाख रुपए लिए, वैसे ही कुछ दूरी पर मौजूद निगरानी की टीम ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को अपने कब्जे में ले लिया। निगरानी की टीम को देख इंजीनियर की हालत भी खराब हो गई। निगरानी मुख्यालय के अनुसार बगहा में तिरुपति शुगर कंपनी है। जो बिजली बनाती है। बिहार का बिजली बोर्ड इस कंपनी से बिजली खरीदती है। इन दोनों के बीच में एक तीसरी कंपनी है, जिसका काम रियल टाइम डेटा मेंटेन करना है। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राकेश कुमार रिसीविंग एंड के इंचार्ज थे। निगरानी मुख्यालय के अनुसार लखनऊ के जितेंद्र सिंह यादव डेंटा मेंटेन करने वाली कंपनी के अधिकारी हैं। डेटा ओके करने के नाम पर सर्विस प्रोवइडर कंपनी से राकेश कुमार ने 6 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

शहर छोटी खबरें

मां को जलाने से रोका तो भाई को पीट-पीटकर किया घायल

अरवल। जिले के कलेर प्रखंड के आगानूर गांव में रिश्ते को तार-तार करने वाली घटना सामने आई है। बुधवार को आपसी विवाद में एक कलयुगी बेटे ने अपने पुत्र के साथ मिलकर अपने मां को जलाने के लिए उसके शरीर पर केरोसिन तेल डाल दिया और उसे जलाने की कोशिश की। गनीमत रही कि केरोसिन तेल डालने के बाद महिला के दूसरे पुत्र ने बीच बचाव किया। वहीं ग्रामीणों की मदद से महिला को सुरक्षित घर से बाहर निकाल कर उसे नहलाया गया। बीच-बचाव करने आए महिला के दूसरे पुत्र 40 नारद चंद्रवंशी को उसके भाई मनोज चंद्रवंशी ने पीट-पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इधर मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आई नारद चंद्रवंशी की पत्नी अनीता देवी और मां शकुंतला देवी के साथ भी मारपीट की। जिससे तीनों घायल हो गए

छेड़खानी का विरोध करना मनचलों ने भाई को पीटा

जहानाबाद। एक भाई को बहन से हो रही छेड़खानी का विरोध करना भारी पड़ गया। छेड़खानी का विरोध करने पर मनचलों उसकी जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित भाई ने बताया कि कॉलेज के पास के गांव धनगावां का एक युवक उसके बहन के साथ छेडखानी कर रहा था। जब विरोध किया तो वे लोग बेल्ट से मारकर सर फोड़ दिया है। युवक की मानें तो शोर मचने पर कुछ लोगो के हस्तक्षेप करने से उसकी जान बची और मनचले भाग खड़े हुए। इधर घटना का पता चलने पर पीड़ित युवक के परिजन आक्रोशित हो गये और नगर थाना पहुंच कर लिखित आवेदन देते हुए न्याय की गुहार लगाई।

जिलाधिकारी ने जगपुरा पंचायत का किया निरीक्षण

जहानाबाद। जिलाधिकारी रिची पांडेय ने मखदुमपुर प्रखंड के जगपुरा पंचायत का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास योजनाओं की जांच की। साथ ही विद्यालय में जाकर पठन-पाठन शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान भोजन, शौचालय सहित कई बिंदुओं पर बारीकी से जांच किया। इस दौरान कई बार जिलाधिकारी स्कूल के शिक्षकों पर नाराज होते भी दिखे, उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास योजनाओं में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रभाकर सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लापरवाही न करें... गर्भवती को अधिक समय तक खांसी और बुखार रहे तो कराएं टीबी की जांच

- घर से बाहर मास्क जरूरी, घर या बाहर टीबी संक्रमित से बनायें दूरी

केटी न्यूज/आरा

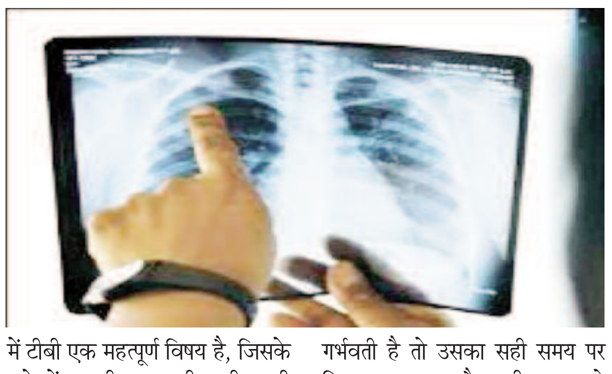

टीबी एक घातक बीमारी है। टीबी संक्रमित व्यक्ति से यह दूसरे स्वस्थ्य व्यक्ति तक फैलती है। टीबी संक्रमित व्यक्ति का समय पर सही इलाज होना आवश्यक है। मुख्य तौर पर फेफड़ों में टीबी का संक्रमण ज्यादा गंभीर है। महिलाओं में भी टीबी संक्रमण के मामले अधिक हैं। विशेषकर गर्भावस्था में टीबी एक महत्पूर्ण विषय है, जिसके बारे में जरूरी जानकारी रखी जानी चाहिए। टीबी माइकोबैक्ट्रीयम ट्यूबरक्लोसिस नामक एक जीवाणु के कारण होती है। टीबी विश्व की सबसे जानलेवा बीमारियों में से एक है। अगर किसी महिला को टीबी है और वह गर्भवती है तो उसका सही समय पर निदान आवश्यक है। सही इलाज से गर्भवती महिला व शिशु को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। इलाजरत होने पर दवाइयों को बीच में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। अन्यथा यह गंभीर हो जाता है।

टीबी संक्रमित के संपर्क में आने से बचें गर्भवती महिलाएं

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया, गर्भवती महिलाओं के टीबी संक्रमित होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें घर में टीबी के किसी अन्य व्यक्ति के लगातार संपर्क में आने, या टीबी संक्रमित क्षेत्र में रहने, एचआईवी होने, कुपोषित तथा बहुत अधिक वजन कम होने, शराब व मादक पदार्थ जैसे सिगरेट, गुटखा आदि के सेवन आदि हैं। टीबी के कुछ ऐसे लक्षण आमतौर पर जाहिर होते हैं जिसके दिखने पर टीबी जांच आवश्यक है। इनमें एक सप्ताह से अधिक समय तक खांसी , तेज बुखार, भूख की कमी, थकान लंबे समय तक अस्वस्थ रहना, बलगम में खून आना तथा गर्दन की ग्रंथियों में सूजन व दर्द रहना आदि हैं।

गर्भवती महिलाएं घर से बाहर मास्क का इस्तेमाल जरूर करें: गर्भवती महिलाएं सफाई का विशेष ध्यान रखें। टीबी संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से बचें। घर से बाहर निकलने पर मास्क का जरूर इस्तेमाल करें। घर में किसी को बहुत अधिक दिनों से खांसी है तो उसकी बलगम जांच करवायें। गर्भवती महिलाएं प्रोटीन तथा विटामिन से भूरपूर भोज्य पदार्थ जैसे रोटी, पनीर, दही, दूध, फल, हरी सब्जी, दाल, अंडा, मछली आदि का सेवन करें। टीबी संक्रमित गर्भवती महिलाओं को अपने खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। महिला का पौष्टिक खानपान नहीं होना, समय पर भोजन नहीं करना, खून की कमी आदि के कारण टीबी का प्रभाव बढ़ जाता है।

कराएं स्किन टेस्ट, बलगम व फेफड़ों का एक्सरे

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के मुताबिक गर्भवती महिलाओं में टीबी खतरनाक है। गर्भावस्था में टीबी का इलाज जटिल होता है। लेकिन इसका इलाज नहीं किये जाने पर यह गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक होता है। गर्भावस्था में ट्यूबरकूलीन स्किन टेस्ट तथा टीबी ब्लड टेस्ट दोनों सुरक्षित हैं। इसके अलावा बलगम की जांच और फेफड़ों का एक्सरे किया जाता है। गर्भवती महिलाओं में टीबी का सही समय पर पता चल जाने से इलाज संभव है। गर्भवती के टीबी का इलाज नहीं होने से शिशु को भी टीबी की संभावना रहती है। ऐसी स्थिति में लापरवाही बरतना खतरनाक हो सकता है। समय पर इसका इलाज जरूरी है।

सदर अस्पताल में ऑक्सीजन के लिए चक्कर काटते रहे परिजन, निकल गयी बच्चे की जान

सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद बच्चे को लाया गया था अस्पताल

- आक्रोशित परिजनों ने किया हंगामा, डॉक्टर व कर्मियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

केटी न्यूज/आरा

सदर अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मियों की लापरवाही के कारण फिर एक जान चली गयी। जिसमें समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण दस माह के एक बच्चे की मौत हो गयी। इस मामले में भी डॉक्टर और अस्पताल कर्मियों की लापरवाही की बात सामने आयी है। बच्चे की मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने हो-हंगामा भी किया। घटना मंगलवार की देर रात की है।? मृत बच्चा सिन्हा ओपी क्षेत्र के गजियापुर निवासी स्व. राजू तुरहा का दस माह का पुत्र मोहित कुमार था। सांस लेने में परेशानी की शिकायत के बाद उसे मंगलवार की रात इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। वहां डॉक्टरों की परामर्श के बाद परिजन उसे गोद में उठाये ऑक्सीजन के लिए एसएनसीयू से इमरजेंसी वार्ड तक चक्कर लगाते रहे और उसकी मौत हो गयी। काफी देर के बाद अस्पताल पहुंचे जेडीयू नेता विश्वनाथ सिंह की पहल पर जब तक ऑक्सीजन की व्यवस्था की गयी। तब तक उसकी जान जान चुकी थी। उसके बाद जेडीयू नेता भी भड़क उठे। सूचना मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. रामप्रीत, सिंह, अस्पताल प्रबंधक और डॉ. विकास सिंह सहित अन्य चिकित्सक पहुंचे गये। नगर थाने की पुलिस भी पहुंची। सभी ने जेडीयू नेता और बच्चे के परिजन से घटना की जानकारी ली। परिजनों को समझा कर शांत कराया गया। जेडीयू का कहना है कि अस्पताल प्रशासन, डॉक्टर और कर्मियों की लापरवाही से बच्चे की जान गयी है। उन्होंने सभी दोषियों को चिह्नित कर आपराधिक मुकदमा चलाने, मृत बच्चे के परिजनों को मुआवजा देने और सिविल सर्जन को हटाने की मांग की है। इधर, सिविल सर्जन द्वारा मामले की जांच कराने और दोषी पाये जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हंगामे के बाद परिसर में बैठे परिजन

ऑक्सीजन मिल जाता, तो बच जाती बच्चे की जान

बच्चे की दादी का कहना था कि उसे सर्दी हुई थी और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। उसी का इलाज कराने सदर अस्पताल आये थे। तबतक बच्चा ठीक था। दूध भी पी रहा था। बाद में समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलने से उसकी मौत हो गयी। इधर, जेडीयू नेता विश्वनाथ सिंह ने बताया कि बच्चे को रात करीब 12.30 बजे उन्होंने अपनी गाड़ी से अस्पताल भेजवाया। उसे डॉक्टर ने ऑक्सीजन चढ़ाने की सलाह दी। लेकिन ऑक्सीजन नहीं चढ़ाया गया परिजन इधर-उधर भटकते रहे। बावजूद एक भी स्टाफ ने मदद नहीं की। रात करीब दो बजे वह खुद अस्पताल पहुंचे व ऑक्सीजन चढ़ाने की व्यवस्था की। तब तक बच्चे की जान जा चुकी थी।

डेढ़ साल पहले सीमा ने पति और अब बच्चे को खोया

अस्पताल प्रशासन की कथित लापरवाही के शिकार दस माह के मोहित के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। करीब डेढ़ साल पहले उसके पिता राजू तुरहा की हत्या कर दी गयी थी। अब मोहित की मौत हो चुकी है। इस घटना से उसकी मां सीमा देवी और परिवार के सभी सदस्य बेहाल थे। पहले पति और अब बेटे को खोने वाली सीमा का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जा रहा कि सीमा के पति राजू तुरहा जदयू के एक सक्रिय कार्यकर्ता थे। करीब डेढ़ साल पहले उनकी हत्या कर दी गयी थी। जेडीयू नेता ने बताया कि राजू तुरहा का परिवार काफी गरीब है। हत्या के बाद स्थिति और भी खराब हो गयी है।

जमीन विवाद में मारी गयी थी गोली, घरवालों ने हमलावर से छीन ली थी पिस्टल

गोली से जख्मी युवक की दो दिन बाद मौत आरोपितों की धर-पकड़ को छापेमारी तेज

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय के टाउन थाना क्षेत्र के शिवपुर आनंद नगर मोहल्ले में सोमवार की शाम गोली लगने से जख्मी युवक की मौत हो गयी। बुधवार की सुबह इलाज के दौरान पटना के एक प्राइवेट अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। मृतक शिवपुर आनंद नगर निवासी वीरेंद्र कुमार सिंह का 35 वर्षीय पुत्र प्रकाश कुमार था। वह अपने परिवार के साथ काफी समय से झारखंड के धनबाद में रहता था। जमीन के विवाद में उसे गोली मारी गयी थी। उस दौरान उसके पिता और चाचा की पिटाई भी की गयी थी। घटना को लेकर उसके पिता के बयान पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उसमें शिवपुर के ही रहने वाले मोहित सिंह उर्फ कालीचरण, उसके पिता सुभाष सिंह, चाचा सत्येंद्र सिंह,चचेरे भाई अमित कुमार सिंह उर्फ डलडल व निक्की कुमार सिंह को आरोपित किया गया है। मोहित सिंह उर्फ कालीचरण पर गोली मारने और अन्य पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद से ही सभी आरोपित फरार चल रहे हैं। पुलिस की ओर आरोपितों की धरपकड़ को लेकर छापेमारी की जा रही है। हालांकि गोली मारे जाने की घटना के बाद जख्मी युवक घरवालों द्वारा हमलावर से पिस्टल छीन लिया गया था। बाद में पहुंची पुलिस ने मौके से एक खोखा और एक गोली बरामद की थी।

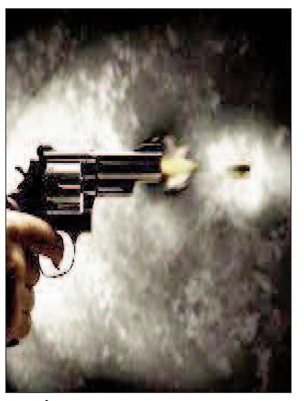

वहां मोहित सहित पांचों आरोपित भी पहुंच गये और रजिस्ट्री करने से रोक दिया गया। उसके बाद वीरेंद्र कुमार सिंह अपने बड़े भाई मिथिलेश सिंह के घर शिवपुर चले गए। वहां जमीन रजिस्ट्री को लेकर चर्चा चल रही थी। उसी समय मोहित सिंह उर्फ कालीचरण द्वारा उनके बेटे प्रकाश के मोबाइल पर कॉल कर मामला सुलझाने के लिए अपने घर पर बुलाया गया। उस पर सभी मोहित के घर जा रहे थे। तभी आरोपितों ने रास्ते में हमला कर दिया और मारपीट की जाने लगी। तभी मोहित सिंह उर्फ कालीचरण द्वारा उनके बेटे को गोली मार दी गयी। उसके बाद उन पर भी फायर किया गया, लेकिन संयोग से गोली उनके बगल से निकल गयी। इधर, प्रकाश कुमार की मौत से उनके घर में कोहराम मचा है।

जमीन रजिस्ट्री को लेकर था विवाद, फायरिंग में बाल-बाल बचे थे पिता

वीरेंद्र कुमार सिंह की ओर से दर्ज प्राथमिकी के अनुसार मोहित सिंह उर्फ कालीचरण द्वारा उन पर भी फायर किया गया था। तब गोली उनके सर के बगल से निकल गयी थी, जिससे वह बाल-बाल बच गये थे। हालांकि गोली खत्म होने के बाद उनके छोटे भाई राजकुमार सिंह ने मोहित को पकड़ लिया था, लेकिन उनके हाथ में दांत से काट कर भाग गया था। प्राथमिकी में कहा गया है कि वीरेंद्र कुमार सिंह परिवार के साथ अपने हिस्से की जमीन रजिस्ट्री करने धनबाद से 17 अक्टूबर की सुबह आरा आये थे। उसके बाद दोपहर में वह रजिस्ट्री ऑफिस गये थे।

डुमरांव अनुमंडल की मिठाई दुकानों से लिये गए सैंपल, मिलावट की होगी जांच

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय के बाद डुमरांव अनुमंडल की मिठाई दुकानों पर अधिकारियों की टीम ने छापेमारी कर अलग-अलग दुकानों से अलग अलग तरह की मिठाईयों के सैंपल इकट्ठा किए है। यह अभियान एमओ विजय कुमार तिवारी व खाद्य निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में चलाया गया था। छापेमारी दल ने डुमरांव के साथ ही ब्रह्मपुर और नावानगर के करीब एक दर्जन से अधिक मिठाई दुकानों अलग-अलग किस्म के मिठाईयों के नमूने एकत्र कर उसे सीलबंद कर लिया है। जिसकी जांच प्रयोगशाला में भेजकर करवाई जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इसके पहले मंगलवार को बक्सर की सात दुकानों से सैंपल इकट्ठा किए गए है। जिन प्रमुख दुकानों से सैंपल लिया गया है। उनमें डुमरांव के पीआरए स्वीट्स, लजीज स्वीट्स, जय शिव मिष्ठान भंडार, मां स्वीट्स, नावानगर के चंदन मिष्ठान भंडार, शिव मिष्ठान भंडार समेत कई अन्य दुकानों से सैंपल लिया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से मिठाई दुकानदारों में हड़कंप मच गया है।

झूमर प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी

- मांझी ने मगही भाषा में लोगों से की बात खूब बजाया झूमर

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिले के मखदुमपुर प्रखंड के ग्राम लोदीपुर में झूमर प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी पहुंचे थे। इस दौरान मांझी मगही भाषा में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि झूमर हमारी पुरानी विरासत है। इसे बचाए रखना हम सबों का कर्तव्य बनता है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के लोगों का पूर्व से ही झूमर ही एक ऐसा इवेंट रहा है जिससे लोग अपने मन को बहलाया करते थे, उनके पास इंटरटेनमेंट का झूमर के अलावा कोई और साधन ही नहीं था, उन्होंने कहा कि आज के जुग में टेक्नोलॉजी का जमाना है लोगों के हाथ में मोबाइल फोन घरों में टीवी और लैपटॉप है बावजूद इसके झूमर अपने आप में आज भी एक अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आज भी यदि झूमर बजे तो आप अपने मन को रोक नहीं पाएंगे झूमर के नृत्य पर आप भी थिरकने लगेंगे। वहीं उद्घाटन समारोह के दौरान मांझी ने खूब झूमर भी बजाया और मगही भाषा में बोलकर लोगों से खूब वाहवाही लूटी। इस मौके पर मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र मांझी, मनीष कुमार, चुन्नू शर्मा, राष्ट्रीय सचिव अखिलेश दांगी, राजा राम मांझी, महेश मांझी, सियाराम यादव के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एक नजर

अलग-अलग दुर्घटनाओं में महिला समेत दो की मौत

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला तथा एक युवक समेत दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि बुधवार की शाम तक किसी के परिजन ने इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराए है। मिली जानकारी के अनुसार ठाकुर दयाल सिंह के टोला गांव निवासी हरेन्द्र यादव की 32 वर्षीय पत्नी रीमा देवी मंगलवार की देर शाम स्थानीय बाजार से सामान खरीद अपने घर जा रही थी। इसी दौरान नुआंव गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे धक्का मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसके परिजन उसे इलाज के लिए बक्सर ले गए। बक्सर के किसी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। वहीं, दूसरी घटना कृतसागर गांव के पास की है। यहा पीएनसी कंपनी के एक गार्ड को किसी वाहन ने धक्का मार दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत भी हो गई। मृतक बेतिया जिले के गोबर्द्धनवा थाना क्षेत्र स्थित मनचगवा गांव के निरहू ठाकुर का पुत्र बसंत ठाकुर उम्र 37 वर्ष है। वह एनएच 84 के निर्माण में लगी पीएनसी कंपनी का गार्ड था। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने दोनों घटनाओं की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि किसी के भी परिजनों द्वारा मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

आरा-पटना हाईवे पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, दोस्त गंभीर रूप से जख्मी

आरा। जिला मुख्यालय स्थित टाउन थाना अंतर्गत धनुपरा के पास आरा-पटना हाईवे पर बुधवार की शाम रोड किनारे खड़े ट्रक से एक बाइक टकरा गयी। हादसे में एक युवक की मौत हो गयी, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। मृत युवक कोईलवर थाना क्षेत्र के ज्ञानपुर गांव निवासी राधाकिशुन का 25 वर्षीय पुत्र नवलेश कुमार था। जख्मी उसी गांव के दसई महतो का 22 वर्षीय पुत्र बिरजू कुमार है, जिसका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना को लेकर देर तक अफरातफरी मची रही। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गयी। घटना के संबंध में जख्मी बिरजू कुमार ने बताया कि वह अपने दोस्त नवलेश कुमार के साथ बाइक से आरा के महावीर टोला स्थित एटीएम से पैसा निकालने आया था। पैसा निकालने के बाद दोनों अपने गांव लौट रहे थे। तभी धनुपरा के समीप उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गयी। उससे दोनों बाइक से गिर पड़े और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा नवलेश कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि नवलेश कुमार अपने तीन भाई और तीन बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां पार्वती देवी, पत्नी कुसुम देवी, पुत्री और एक पुत्री है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। घटना के बाद मां पार्वती देवी पत्नी कुसुम देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के तहत 18.69 लाख लोगों की हुई जांच

- अभियान के तहत जिले में मिले 1073 कुष्ठ रोग के लक्षण वाले लोग
- चेनारी प्रखंड में सर्वाधिक मिले 142 लोग कुष्ठ रोग के लक्षण वाले

केटी न्यूज/सासाराम

2025 तक कुष्ठ रोग को जड़ से मिटाने को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके लिए कई कार्यक्रमों का भी संचालन किया जा रहा है। ताकि, कुष्ठ उन्मूलन अभियान चलाकर लोगों में कुष्ठ के लक्षण एवं उससे पीड़ित लोगों की पहचान करके उन्हें ससमय उपचार मुहैया कराया जाए और इस रोग को आगे बढ़ने से रोका जाए। जिससे निर्धारित समय तक देश से कुष्ठ बीमारी को जड़ से मिटाया जा सके। इसी उद्देश्य से 8 से लेकर 17 अक्टूबर तक चलाए गए कुष्ठ रोगी खोजी अभियान का अप्रत्याशित लाभ रोहतास जिले में देखने को मिला। अभियान को सफल बनाने के लिए जिले में पांच हजार के आसपास कर्मी लगाए गए थे। जिसमें आशा कर्मियों के अलावा अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी शामिल थे। इस विशेष अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित सभी घरों में आशा कर्मी पहुंचकर कुष्ठ रोग के लक्षण, पहचान कर चिह्नित कर रही थी।

जिले में 1073 लोग पाए गए कुष्ठ रोग के लक्षण वाले : जिला कुष्ठ उन्मूलन केंद्र में कार्यरत वीर कुमार ने बताया कि 8 से 17 अक्टूबर तक चलाए गए कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के दौरान जिले में कुल 3 लाख 90 हजार 364 घरों में 18 लाख 69 हजार 39 लोगों की जांच की गयी। इस जांच के दौरान कुल 1073 ऐसे लोगों को चिह्नित किया गया जिसमें कुष्ठ के लक्षण मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सभी चयनित किए गए व्यक्तियों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष जांच की जाएगी। इस दौरान पूर्ण रूप से कुष्ठ से पीड़ित लोगों की पहचान की जाएगी। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों का इलाज किया जाएगा। साथ ही, आसपास की घरों में मौजूद लोगों को एमडीटी की खुराक दी जाएगी। वहीं कुष्ठ उन्मूलन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार जिले के चेनारी प्रखंड में सर्वाधिक 142 लोगों में कुष्ठ रोग के लक्षण पाए गए, जबकि बिक्रमगंज में 139, नौहट्टा में 104, काराकाट में 79, तिलौथू में 75, दिनारा में 69, डेहरी में 68, राजपुर में 61, सासाराम में 47, शिवसागर में 46, करगहर में 44, कोचस में 37, कोचस में 35, दावथ में 34, अकोढ़ीगोला में 32, सूर्यपुरा में 16, नासरीगंज में 16, रोहतास में 24 एवं संझौली में 15 लोगों में ग कुष्ठ के लक्षण पाए गए।

कुष्ठ बीमारी समाप्ति की राह पर : जिला महामारी रोग नियंत्रण अधिकारी डॉ. प्रिय मोहन सहाय ने बताया कि जिले में जिस तरह से विशेष अभियान चलाकर कुष्ठ पीड़ित लोगों की जानकारी ली गई उससे आने वाले समय में कुष्ठ उन्मूलन अभियान में गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि पोलियो की तरह कुष्ठ बीमारी भी अब देश से समाप्ति की राह पर है। डॉ. सहाय ने बताया कि अभियान को सफल बनाने में रोहतास जिले के सभी कर्मियों ने अपना बेहतर योगदान दिया, जिसका नतीजा यह निकला कि इन 10 दिनों में 19 लाख के आसपास लोगों की जांच की गई ।

केशव टाइम्स
बक्सर, 20 अक्टूबर 2022

जिले छोटी खबरें

बिजली चोरी के खिलाफ चला अभियान

डुमरांव। बिजली चोरी के खिलाफ कंपनी के अधिकारियों ने डुमरांव थाना क्षेत्र के बनकट गांव में डोर-टू-डोर अभियान चलाया। जिसमें छह लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा और जुमार्ना लगाते हुए आरोपितों के खिलाफ डुमरांव थाने में मामला दर्ज कराया है। इस छापेमारी दस्ता का नेतृत्व चौंगाई के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार ने किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिजली चोरी मामले में बनकट गांव के राम कुमार राय पर 11067 रुपये, शिवबली राय पर 11962 रुपये, शिवबिलास राय पर 14212 रुपये, सिपाही राय पर 8215 रुपये, शिवशंकर राय पर 8758 रुपये और भुटेली राय पर 22147 रुपये का जुमार्ना लगाते हुए केस दर्ज कराया गया है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि इन आरोपितों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

अलग अलग दुर्घटनाओं में दो की मौत

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक महिला तथा एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ठाकुर दयाल सिंह के टोला गांव निवासी हरेन्द्र यादव की 32 वर्षीय पत्नी रीमा देवी मंगलवार की देर शाम स्थानीय बाजार से सामान खरीद अपने घर जा रही थी। इसी दौरान नुआंव गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे धक्का मार दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। दूसरी घटना कृतसागर गांव के पास की है। यहा अज्ञात वाहन के धक्के से पीएनसी कंपनी के एक गार्ड की मौत हो गई है। वह बेतिया जिले के गोबर्द्धनवा थाना क्षेत्र स्थित मनचगवा गांव के बसंत ठाकुर उम्र 37 वर्ष है। वह एनएच 84 के निर्माण में लगी पीएनसी कंपनी का गार्ड था।

बीएड की परीक्षा में शामिल हुए 1523 परीक्षार्थी

बक्सर। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत जिले में संचालित बीएड कॉलेजों की परीक्षा शुरू हो चुकी है। इस क्रम में बुधवार को एमवी कॉलेज में भी परीक्षा आयोजित हुई। जहां दो पालियों में बीएड पार्ट वन के कुल 1523 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई।

डेंगू से निपटने की तैयारी: सदर अस्पताल में 12, डुमरांव में बनाए गए आठ बेड

- जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू मरीजों के इलाज के लिए दो-दो बेड तैयार
- सदर अस्पताल में 24 घंटे डेंगू की जांच की सुविधा उपलब्ध

केटी न्यूज/बक्सर

सदर अस्पताल में बना डेंगू वार्ड

जिले में डेंगू अपना प्रभाव दिखाने लगा है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। इस क्रम में डेंगू के मरीजों की जांच से लेकर उनके इलाज तक की व्यवस्था की जा चुकी है। डेंगू के इलाज के लिए सदर अस्पताल में 12 विशेष बेड तैयार किए हैं। इसके अलावा डुमरांव अनुमंडल में आठ तथा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दो-दो बेड आरक्षित रखे गए हैं।

डेंगू मरीजों के इलाज के लिए विशेष बेड में मच्छरदानी लगाई हुई है। ताकि, मरीजों के माध्यम से कोई भी डेंगू का शिकार न हो सके। साथ ही, सदर अस्पताल में अब 24 घंटे डेंगू के जांच की सुविधा उपलब्ध हैं। ताकि, आपात स्थिति में किसी भी मरीज को इंतजार न करना पड़े। बताया जाता है कि राज्य में डेंगू को लेकर अलर्ट जारी होने के बाद जिला स्वास्थ्य समिति ने डेंगू के लक्षणों वाले मरीजों की निगरानी करनी शुरू कर दी थी। जिसके तहत सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सकों को 70 हजार से कम प्लेटलेट्स वाले मरीजों का अनुश्रवण करते हुए उसकी रिपोर्ट जिला सिविल सर्जन को देने का निर्देश दिया गया था। ताकि, डेंगू के लक्षणों वाले मरीजों का इलाज और फॉलोअप सुगमता से किया जा सके।

तीन दिन से ज्यादा बुखार हो तो कराएं जांच : सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र नाथ ने बताया कि राज्य में डेंगू लगातार तेजी से बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए जिलाधिकारी अमन समीर के निर्देश पर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य समिति दोनों के संयुक्त स्तर से डेंगू की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं, जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला मुख्यालय में अब नगर परिषद की ओर से फॉगिंग की व्यवस्था की गई है। लेकिन, अंततः लोगों को स्वयं भी डेंगू से बचाव के कारगर उपाय करने होंगे। उन्होंने बताया कि वार्ड स्तर पर लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करने के लिए वार्ड पार्षद, वार्ड सदस्य व फ्रंट लाइन वर्कर्स को जिम्मेदारी दी गई है। लोगों को बताया जा रहा है कि अगर किसी को तीन दिन से लगातार तेज बुखार व कमजोरी महसूस हो रही है, तो वे बिना देर किए सरकारी अस्पताल में तुरंत डेंगू की जांच जरूर कराएं। जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में डेंगू जांच किट उपलब्ध करायी जा चुकी है। ताकि, मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।

मरीजों की जांच करने के लिए मशीन हुई इंस्टॉल : डॉ. नाथ ने बताया, अब जिले के डेंगू के लक्षण वाले मरीजों के ब्लड के सैंपल की जांच के लिए ज्यादा समय तक इंतजार नहीं करना होगा। सदर अस्पताल में एलाइजा टेस्ट के लिए मशीन आ चुकी है। जिसको इंस्टॉल कर लिया गया है। लेकिन तकनीकी कारणों से चालू नहीं किया जा सका है। जल्द ही इसे शुरू किया जाएगा, जिसके बाद डेंगू मरीजों की जांच आसानी से हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि डेंगू के लक्षण वाले मरीजों को सावधान रहने की जरूरत है। बिना विशेषज्ञ डॉक्टर के किसी तरह की दवा का सेवन करना उनके लिए जोखिम भरा हो सकता है। मरीज को डेंगू होने पर अधिक से अधिक पानी, ओआरएस घोल, नींबू पानी, नारियल पानी पीना चाहिए। नींबू का रस शरीर में मौजूद विषैले तत्व को दूर करते हैं। इसके अलावा चिकन सूप या अधिक से अधिक प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल करना चाहिए। डेंगू के मरीजों के पेय पदार्थ ज्यादा लेना चाहिए।

मुरार में आभूषण दुकान में नकदी समेत लाखों रु. के गहने ले उड़े चोर

- दुकानदार ने अज्ञात चोरों पर दर्ज कराया एफआईआर
- मंगलवार रात की है घटना
- तीन तालों को तोड़ने के बाद चोरों ने दिया है घटना को अंजाम

केटी न्यूज/डुमरांव

मुरार थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में चोरों ने एक आभूषण दुकान में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने दुकान में रखे पन्द्रह हजार रूपए नकद के साथ ही सोने व चांदी के करीब दो लाख रूपए मूल्य के आभूषण की चोरी कर ली है। घटना मंगलवार के रात की है। दुकानदार को इसकी जानकारी बुधवार को सुबह में हुई जब वह जगने के बाद अपनी गाय को सानी चारा देने के लिए घर से बाहर निकला तो मेन गेट से दुकान तक लगाए गए तीन ताले टूटे हुए नजर आए तथा दुकान के सामान भी अस्त व्यस्त हालत में थे। चोरी की बात समझ में आते ही दुकानदार ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मुरार गांव के रामजी प्रसाद अपने घर में ही आभूषण दुकान का संचालन करते है। उनके घर में नीचे दुकान के अलावे उपर एक दुर्गा मंदिर भी बना है।

मंगलवार की रात दस बजे दुकान बंद कर वे अपने परिवार के साथ घर में सोने चले गए थे। देर रात अज्ञात चोरों ने दुकान के मेन गेट सहित तीन तालों को तोड़ चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस को दिए आवेदन में दुकानदार ने बताया कि चोरों ने उसके दुकान में रखे 15 हजार रूपए नकद के साथ ही सोने की 20 नथिया, चांदी के 25 जोड़ी पायल, 32 पीस सोने की नाक की नथिया, चांदी की 20 अंगूठी, कान का दो जोड़ी झाला, एक जीउतिया, चार नथिया तथा मरम्मत के लिए आए कुछ पुराने सोने व चांदी के आभूषणों की चोरी की है।

कहते हैं थानाध्यक्ष

इस संबंध में मुरार थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने कहा कि व्यवसायी ने चोरी के संबंध में आवेदन दिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। चोरों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र में चोरी की घटना से उठ रहे सवाल

मुरार जैसे ग्रामीण क्षेत्र के आभूषण दुकान में चोरी की वारदात के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। व्यवसायियों का कहना है कि अब चोर उचक्कों से गांव भी महफूज नहीं रह गया है। जबकि ग्रामीण पुलिस गश्त पर भी सवाल उठा रहे है। बता दें कि जिस मुरार दुर्गा चौक पर स्थित आभूषण दुकान में चोरी की घटना हुई है वह स्थानीय थाने से महज कुछ सौ मीटर दूर ही है। लोगों का कहना है कि जब थाना के इतने करीब हुई चोरी की जानकारी पुलिस को नहीं मिल सकी तो फिर पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे ही है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिस की सुस्ती को देखते हुए चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। गौरतलब है कि दो दिन पहले चौगाई महादलित बस्ती के लोगों ने भी स्थानीय थाने पर अचानक हमला बोल दिया था। पुलिसकर्मियों को वहां से भागकर अपनी जान बचानी पड़ी थी।

सर्द रातों में बढ़ जाती है चोरी की वारदात

जाड़े की रात चोरों के लिए मुफिद होती है। सर्द रातों में चोर अपना हाथ गर्म करते रहते है। ये हम नहीं बल्कि आंकड़े बता रहे है। वैसे भी सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है। लेकिन अभी से ही चोरों की सक्रियता से व्यवसायियों के साथ साथ पुलिस की मुश्किलें भी बढ़ गई है। इस घटना के बाद अब पुलिस को भी जाड़े में चोरों की हरकतों से निपटने के लिए विशेष रणनीति बनानी पड़ेगी।

एक नजर

छठ घाट को संवारने व भगवान भास्कर की मूर्ति निर्माण में जुटी नया तालाब छठ पूजा समिति

तालाब किनारे सफाई अभियान चलाते समिति सदस्य

डुमरांव। लोक आस्था के महापर्व छठ का उमंग अब दिखलाई पड़ने लगा है। भले ही नगर परिषद प्रशासन छठ घाटों की मरम्मत, सफाई तथा संपर्क पथों के निर्माण की कवायद शुरू कर चुका है। लेकिन स्थानीय पूजा समितियां भी किसी से पीछे नहीं है। नप के साथ कदमताल करते हुए कई पूजा समितियों के सदस्य अपने स्तर से भी सफाई अभियान तथा घाटों के निर्माण में लगे है। सुबह से शाम तक पूजा समितियों से जुड़े युवा हाथों कुदाल, खुरपी, झाडु आदि थामे तालाबों को चकाचक बनाने का प्रयास करते देखे जा रहे है। नगर के नया तालाब छठ पूजा समिति से जुड़े सदस्यों का उत्साह भी चरम पर है। पिछले कई दिनों से इस पूजा समिति से जुड़े सदस्य नया तालाब को साफ सुथरा बनाने में श्रमदान कर रहे है। हालांकि नगर परिषद प्रशासन के निर्देश पर नप के सफाई कर्मी भी यहा अभियान चला रहे है। लेकिन स्थानीय कमिटि के सदस्यों की भूमिका की सराहना नप के मजदूर भी कर रहे है। नया तालाब छठ पूजा समिति द्वारा सफाई के साथ ही प्रत्येक साल भगवान भास्कर की प्रतिमा भी बनवाई जाती है। इस बार भी प्रतिमा बनाने का काम शुरू हो चुका है। पूजा समिति के सदस्यों की निगरानी में सूर्यदेव की प्रतिमा निर्माण का काम तेज गति से चल रहा है। सदस्यों का कहना है कि इस बार लोक आस्था के महापर्व के दौरान नया तालाब चकाचक दिखेगा।

किताबों के बीच छिपे सांप ने किशोरी को डंसा झांड़ फूंक कराने में गई जान, मचा कोहराम

मृतक के दरवाजे पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

चौसा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा गांव में सर्पदंश से 15 वर्षीय एक किशोरी की मौत हो गई है। घटना मंगलवार रात की है। मृतका निशा कुमारी स्व. कमला यादव की पुत्री है। मिली जानकारी के अनुसार वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी तथा रात में पढ़ाई करने के बाद अपने किताब-कॉपी को आलमीरा में रख रही थी। इसी दौरान आलमीरा में किताबों के बीच छिपे एक विषैले सर्प ने उसे डंस लिया। इसकी जानकारी मिलते ही उसके परिजन उसे लेकर झांड़ फूंक कराने यूपी के गहमर चले गए। लेकिन झाड़ फूंक के दौरान उसकी तबीयत और ज्यादा खराब हो गई। जिसके बाद परिजन गहमर से फिर बक्सर सदर अस्पताल लाया। इस दौरान रात के दो बज चुके थे। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी की मौत से परिजनों में मायूसी छाई हुई है। बता दें कि पिछले साल उसके पिता कोरोना की भेंट चढ़ गए थे। वहीं, अब बेटी की मौत से उसकी मां गहरे सदमें में है। बहरहाल जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि सर्प या किसी विषैले जंतुओं के दंश के बाद हमे झाड़ फूंक के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। बल्कि उसे तत्काल अस्पताल लेकर जाना चाहिए। केशव टाइम्स भी लोगों से अंधविश्वास में नहीं पड़ने की अपील करता है। वही जिले के एकमात्र स्नैक रेस्क्यूवर हरिओम चौबे ने भी कहा कि सांप या किसी विषैले जंतुओं के दंश के बाद झाड़ फूंक कराने वालों की बजाय अस्पताल जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झांड़ फूंक से जहर नहीं उतरता है।

गंगा के जलस्तर को देखते हुए वैकल्पिक छठ घाट चिह्नित करें ईओ : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम अमन समीर व एसपी नीरज कुमार सिंह ने बुधवार को नगर के सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहा मौजूद नगर परिषद के ईओ प्रेम स्वरूपम को सभी घाटों की साफ सफाई करने तथा संपर्क पथ बनवाने का निर्देश दिया। इसके अलावे डीएम एसपी ने बक्सर में गंगा के बढ़ते जल स्तर को देखते हुए ईओ तथा सदर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार मिश्र को वैकल्पिक छठ घाट चिह्नित करने तथा जरूरत पड़ने पर उसे छठ घाट के रूप में बनवाने का निर्देश भी दिया है। डीएम एसपी ने कहा कि छठ लोक आस्था का महापर्व है। इस महापर्व में लाखों श्रद्धालु गंगा घाटों के साथ ही विभिन्न जलाशयों के किनारे छठ करते है। इस बार गंगा का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जिसे देखते हुए वैकल्पिक घाटों की जरूरत पड़ सकती है। डीएम एसपी ने नाथ बाबा घाट से जेल घाट होते हुए अहिरौली घाट तक विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जहां खामी दिखी उस पर डीएम एसपी ने आवश्यक निर्देश भी दिए।

बलिहार में भारी मात्रा में गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, गिरोह के शिनाख्त में जुटी पुलिस

- गांव से लगातार बरामद हो रहा है गांजा व शराब

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी पुलिस ने मंगलवार की रात गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बलिहार गांव में छापेमारी अभियान चला भारी मात्रा में गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर ओमप्रकाश चौरसिया पिता रामेश्वर चौरसिया के घर से 23 किलो 550 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। इसके बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाना लाई। आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार निर्झर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर की गई है। मिली जानकारी के अनुसार सिमरी पुलिस को सूचना मिली थी कि बलिहार गांव ओमप्रकाश चौरसिया गांजा की तस्करी कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इसकी पुष्टि करवाई। इसी दौरान पुलिस को पता चला कि वह गांजा की एक बड़ी खेप मंगवा उसे अपने घर में छिपाया है। इसके बाद पुलिस ने वरीय पदाधिकारियों को सूचना देते हुए तत्काल उसके घर छापेमारी अभियान चलाया। पुलिस को देखते ही वह अपने घर के बगल में स्थित अपने निजी गली में तीन पैकेट में रखे गांजा को फेक दिया था। जिसे छापेमारी के दौरान पुलिस ने बरामद कर लिया। बरामद पैकेटों का वनज 23 किलो 550 ग्राम था। पुलिस की मानें तो गांजा की कीमत हजारों रुपये है। पुलिस के इस कार्रवाई के बाद बलिहार गांव में हड़कंप मचा हुआ है।

धान में बालियां देख खुशी से खिले किसानों के चेहरे

- हथिया नक्षत्र में हुई अच्छी बारिश से लहलहा रही है धान की फसल
- किसानों में जगी बेहतर उत्पादन की उम्मीद

केटी न्यूज/बक्सर

धान के पौधों में निकली बालियां

अंत भला तो सब भला, यह कहावत इस मानसून सत्र में किसानों तथा खेती पर सटीक बैठती है। शुरुआत में मानसून के दगा देने से किसान मायूस थे। उन्होंने जैसे तैसे कर धान की रोपनी की। लेकिन मानसून के आखिरी दिनों में अच्छी बारिश से खेतों में लगी धान की फसल लहलहा उठी है। धान के पौधों में अब बालियां भी निकल आई हैं। जिसे देख किसान काफी खुश हैं। किसानों का कहना है कि पूरे हथिया नक्षत्र बारिश हुई है। जिस कारण धान के बेहतर पैदावार की संभावना बनी हुई है। वैसे तो मानसून के दगा देने से लक्ष्य के अनुरूप रोपनी नहीं हो सकी थी। एक समय तो ऐसा भी आया था, जब महीने दो महीने तक बारिश नहीं हुई थी। जिस कारण किसान धान की रोपनी तथा फसल को बचाने के लिए खासें चिंतित हो उठे थे। खरीफ खेती तथा बरसात के लिए सबसे महत्वपूर्ण सावन और भादों महीने में एकदम बारिश नहीं हुई थी।

जिस कारण बक्सर जिले को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की मांग भी राजनैतिक गलियारों में होने लगी थी। लेकिन ऐसे विकट समय में भी जिले के किसानों ने धैर्य नहीं खोया था तथा अपने परिश्रम व महंगे डीजल को फूंक धान की फसल को बचाए रखा। किसानों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार मानसून को मेहरबान होना पड़ा।

लौटते मानसून में हुई अच्छी बारिश से धान की फसल को एक नई उर्जा मिल गई है। अब तो पौधों में निकली बालियां तेजी से पकने की राह पर चल पड़ी है। जबकि मौसम भी धान के फसल के तैयार होने के अनुकूल होने लगा है। खेतों पर्याप्त पानी भी है। किसानों की मानें तो हथिया की बारिश ही धान की खेती की पैदावार तय करती है। इस नक्षत्र में बारिश होने से धान की फसल काफी अच्छी होती है तथा कीटों का प्रकोप व रोग से बचाव भी हो जाता है। बहरहाल देर से ही सही खरीफ सीजन का अंत होते होते मानसून किसानों को धान की बेहतर पैदावार के साथ ही बिना किसी दिक्कत रबी फसलों की बुआई भी समय से होने की उम्मीद जगा गया है।

बता दें कि बारिश नहीं होने से किसानों को धान की फसल को बचाने की चिंता के साथ ही रबी फसलों की बुआई को लेकर भी परेशानी बढ़ गई थी। चुकी दो महीने तक बारिश नहीं होने से खेतों में बिल्कुल भी नमी नहीं बची थी। जिस कारण किसानों को आशंका थी कि इस बार रबी फसलों की बुआई मुश्किल से होगी। लेकिन बारिश ने किसानों की इस चिंता को भी दूर कर दिया है। गौरतलब है कि बक्सर जिले के एक बड़े हिस्सें में व्यापक पैमाने पर धान की खेती की जाती है। यहा धान का उत्पादन दर तथा उसकी क्वालिटी काफी अच्छी होती है। जिस कारण इस क्षेत्र को धान का कटोरा कहा जाता है। मानसून के आखिरी दिनों में बारिश होने से इस बार भी धान का कटोरा भरता नजर आ रहा है।

छोटी खबरें

10 वर्ष से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

मऊ। हलधरपुर थाने की पुलिस ने हत्या के मामले में दस साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। बुधवार को पिल्खी से हत्या में वांछित आरोपी रामनिवास राजभर पुत्र मोती राजभर को तमंचा तथा पांच कारतूस के साथ पकड़ा गया। बता दें कि वर्ष 2012 में सुरेंद्र सिंह निवासी पिल्खी थाना हलधरपुर हत्या के एक मामले में पिछले 10 वर्षों से फरार/वांछित चल रहा था। इस संबंध में आरोपी के विरूद्ध थाने में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

चोरी की बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

मऊ। शहर कोतवाली पुलिस ने मुसरदह मोड़ से मोहम्मद चांद पुत्र मो. मिशरूल निवासी अल्लीपुर थाना सरायलखंसी को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।

करंट की चपेट में आने से बच्ची की मौत

गाजीपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के घोघवा गांव निवासी शालू यादव (9) की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। शालू यादव अपने घर में टीवी का प्लग लगा रही थी। इस दौरान कटे हुए केबल के संपर्क में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। घर के अन्य बच्चों के शोर मचाने चिल्लाने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उसे विद्युत तार से अलग करने के बाद इलाज के लिए सैदपुर सीएचसी लाए। जहां डाक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया।

शांतिभंग में 21 लोगों पर किया गया चालान

मऊ। जिले की विभिन्न थानों की पुलिस ने शांतिभंग में कुल 21 लोगों का चालान किया है। दोहरीघाट पुलिस ने सुशील राय, आदर्श राय, अर्जुन, कुंती देवी, शीला देवी, शहर कोतवाली पुलिस ने गोविंद, परवेज, जयप्रकाश का चालान किया। मधुबन पुलिस ने विनोद यादव, राकेश मल्ल तथा मुहम्मदाबाद पुलिस ने मन्धाता चौबे, राजकुमार, रमेश चंद्र, उदेश, भूपेंद्र, ममता, सोनू चौहान, हेवंती देवी तथा रामपुर पुलिस ने शैलेश का शांतिभंग में चालान किया।

चार वारंटी गिरफ्तार

मऊ। जिले की विभिन्न थानों की पुलिस ने चार वारंटी आरोपियों का पकड़ कर चालान कर दिया। दक्षिणटोला पुलिस ने मो.सादिक पुत्र अबुहुसैन निवासी जहगीराबाद, फैजू रहमान पुत्र अजीजुर्रहमान निवासी औरंगाबाद तथा कोपागंज पुलिस ने नबीउल्लाह पुत्र मजरूल्लाह निवासी रहमतनगर का चालान किया। वहीं मुहम्मदाबाद पुलिस ने राजेश कुमार पुत्र चन्ददेव निवासी नगरीपार को गिरफ्तार कर लिया।

बदल रहा अपना प्रदेश... फरियादी अब कोड स्कैन कर पोर्टल पर दर्ज करा सकेंगे शिकायत

- बलिया जिले के हर थाने में उपलब्ध रहेगा क्यूआर कोड

तिलक कुमार/बलिया

नागरिकों की बेहतर सेवा के लिए उत्तर प्रदेश शासन अब ब्लॉकचेन आधारित प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) प्लेटफॉर्म लॉन्च करने जा रहा है। जल्द ही जनपदवासी अब इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके डिजिटल रूप से शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस पहल से पुलिस के बीच नागरिकों की शिकायतों को दर्ज नहीं करने की समस्या खत्म होगी और एफआईआर सिस्टम में पारदर्शिता आएगी।

जल्द ही जिलेवासियों स्वतंत्र रूप से अपनी रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। साथ ही, प्लेटफॉर्म पर हमेशा जानकारी मौजूद रहेगी। ब्लॉकचेन की मदद से कोई हेर-फेर नहीं किया जा सकेगा। नए एफआईआर प्लेटफॉर्म से लोगों की शिकायतों के संबंध में पारदर्शिता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त नया प्लेटफॉर्म आम लोगों को उनकी शिकायतों की निगरानी करने में सहायता करेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फिरोजाबाद के आईपीएस अधिकारी आशीष तिवारी की यह पहल है। शासन अब इसे हर जिले में लागू करने की तैयारी में है।

आईपीएस आशीष तिवारी की पहल

यह पहल फिरोजाबाद के आईपीएस अधिकारी आशीष तिवारी ने की है। लॉन्च किए गए नए एफआईआर प्लेटफॉर्म पर पोलीगोन ब्लॉकचेन का सपोर्ट है। आशीष तिवारी के मुताबिक, फिरोजाबाद के सभी लोकल पुलिस स्टेशनों में अब एक क्यूआर कोड उपलब्ध रहेगा, जो इस प्लेटफॉर्म से जुड़ा हुआ है। इसलिए, नागरिक अब कोड स्कैन करके पोर्टल पर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। इससे फरियादियों को शिकायत लेकर अब थाना में नहीं आना होगा।

कैसे काम करता है एफआईआर प्लेटफार्म

पीड़ित व्यक्ति को रीकैप्चा सत्यापन प्रक्रिया से गुजरना होगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने पर पोर्टल शिकायत के साथ एक अधिकारी को टैग करेगा। इसके बाद प्लेटफॉर्म आगे की जांच के लिए एक टोकन नंबर असाइन करेगा। साथ ही, पीड़ित व्यक्ति के पास उसकी शिकायतों की पुष्टि करने के लिए एक एसएमएस या ईमेल भेजा जाएगा। इसके अलावा इस एफआईआर प्लेटफॉर्म में गांव-गांव शिकायतों के लिए एक वर्गीकरण प्रणाली भी है।

केस दर्ज नहीं होने से मिली प्लेटफार्म की प्रेरणा

एयरचेन्स के अंकुर सिन्हा और पोलीगोन्स के सह-संस्थापक संदीप नैलवाल जैसे एक्सपर्ट्स ने इस परियोजना में मदद की है। संदीप नैलवाल ने एफआईआर प्लेटफॉर्म लॉन्च होने पर एक ट्वीट करते हुए जानकारी दी। नैलवाल ने परियोजना के बारे में बताया। उन्होंने याद किया कि कैसे वह भ्रष्टाचार के कई मामलों को सुनते हुए बड़े हुए, कभी-कभी रेप के मामलों में भी पीड़िता शिकायत दर्ज नहीं करा सकती थीं। जिसने उन्हें इस प्रणाली को बनाने की प्रेरणा दी।

आईपीएस अधिकारी की पहल सराहनीय

अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि शासन से अभी ऐसा कोई निर्देश नहीं आया है। आईपीएस अधिकारी की पहल सराहनीय है। उनके इस प्रयास से अब कोई आसानी से अपनी शिकायत पुलिस तक पहुंचा सकता है। जल्द ही इसको जिले में लागू किया जाएगा। इसके लागू होने से न केवल शिकायत दर्ज कराने में लोगों को सुविधा होगी, बल्कि इससे पारदर्शिता भी आएगी। फरियादी अपने केस की स्थिति से भी वाकिफ हो पाएंगे।

पर्व को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट : चार दिन में सड़कें हो जाएंगी गड्ढामुक्त, हटेंगे अतिक्रमण

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को पर्व त्योहारों पर तत्परता से कार्य करने का दिया निर्देश

- जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को हाई अलर्ट मोड पर रहने का जारी किया फरमान

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिले में आगामी त्योहार धनतेरस, दीपावली और गोवर्धन पूजा को सकुशल संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन प पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने मंगलवार की रात लोक निर्माण विभाग, विद्युत, अग्निशमन, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका/नगर पंचायत, जल निगम (ग्रामीण), रेलवे, देवकली पंप कैनाल, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, यातायात, पुलिस एवं अन्य विभागों के अफसरों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने सभी पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जिले में विभिन्न स्थलों पर त्योहारों को लेकर बाजारों का आयोजन होगा। विभिन्न प्रकार की गतिविधियां रहेंगी। इसके लिए विभाग अपनी-अपनी तैयारियां पूर्ण कर लें। लोक निर्माण विभाग को जनपद में खराब एवं जर्जर सड़कों व पटरियों को 4 दिनों के अंदर गड्ढा मुक्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने एआरटीओ और पुलिस विभाग को सप्ताह में दो दिनों का एक अभियान चलाकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए अवैध तरीके से संचालित बस एवं टैक्सी स्टैण्डों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए।

पटाखे की दुकान खुले में लगाने के निर्देश

डीएम ने निर्देश दिया कि त्योहारों के मद्देनजर लगने वाले पटाखे की दुकानों को आबादी से दूर खुले स्थलों पर ही लगाया जाए। आबादी के अन्दर कोई भी पटाखे की दुकान लगाई जाती है तो उसके लाईसेंस को निलंबित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जनपद में भ्रमणशील रहेगीं। यदि कही भी किसी प्रकार की घटना घटित होती है तो तत्काल मौके पर पहुंचेगी। वहीं, जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को हाई अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को जनपद में एंबुलेंस सेवा दुरुस्त रखते हुए बर्न वार्ड को सक्रिय रखने का निर्देश दिया। सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की छुट्टी 08 नवम्बर तक निरस्त करने का निर्देश दिया।

गंगा के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई छठ व्रतियों की परेशानी

गाजीपुर। जिले के जमानियां नगर व ग्रामीण अंचलों में लोक आस्था के महापर्व डाला छठ को अब कुछ दिन ही बचे हैं। मगर जमानियां क्षेत्र में एक महीने के अन्तराल पर जिस तरह से गंगा नदी के जलस्तर में पिछले कुछ दिनों पूर्व बढ़ोतरी देखने को मिली है,उससे व्रत रखने वाली महिलाओं समेत पुरुषों में भी चिन्ता बढ़ने लगी है। हालाकिं जलस्तर में कमी आ रही है, मगर रफ्तार काफी धीमी है। गंगा के जलस्तर में पिछले दिनों बढ़ोतरी होने के बाद उसमें कमी भी आई है। मगर पानी के घटने की रफ्तार काफी धीमी है,ऐसे में कई छठ घाट सिल्ट जमा होने से खतरनाक होते जा रहे हैं। केन्द्रीय जल आयोग के मुताबिक गंगा का वर्तमान जलस्तर 61.550 मीटर है जो चेतावनी बिन्दु से मात्र 79 सेंटीमीटर नीचे है,गंगा के घटने की रफ्तार मात्र एक सेंटीमीटर प्रति घंटे है।

लाखों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर हैं जुटतेः बताया कि भगवान भास्कर को अर्घ्य देने का महापर्व छठ इस वर्ष पहला अर्घ 30 अक्तूबर को शाम और 31 अक्तूबर को सुबह का उगते हुए भाष्कर को अर्घ्य अर्पित होगा। लाखों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर जुटते हैं। लोगों ने बताया कि अगर जलस्तर में विशेष कमी और घाटों पर जमी सिल्ट की सफाई नहीं हुई तो उन्हें गावों व कस्बों में स्थित पोखरों में डाला छठ का पर्व मनाना पड़ सकता है।

एसडीएम ने दिया निर्देश

लोगों को कहना है कि जमानियां में ऐसा नजारा आम तौर पर अगस्त-सितंबर महीने में देखने को मिलता था। अक्टूबर में गंगा का पानी घाटों से काफी दूर चली जाती थी, लेकिन जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण इस बार दिक्कत हो सकती है। एसडीएम भारत भार्गव ने बताया कि घाटों की साफ सफाई के निर्देश दे दिए गए हैं।

बाढ़ राहत पैकेट वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव व अनियमितता न हो : विधायक

बाढ़ प्रभावित इलाके में राहत पैकट वितरण करतीं विधायक केतकी सिंह व अन्य

केटी न्यूज/बलिया

बाढ़ से हुई तबाही का दंश झेल रहे बाढ़ पिड़ितों में बुधवार को बांसडीह विधायक केतकी सिंह ने तहसीलदार बांसडीह प्रवीण कुमार सिंह के साथ बुधवार को कस्बा के वार्ड नंबर 10 बहेरा पार पहुंची। बाढ़ पिड़ितों से रूबरू होकर सरकारी लिस्ट के मुताबिक नगर के वार्ड नं 10 मनियर बहेरा पार में 145 पैकेट, दियारा टुकड़ा नं 2 में 330 पैकेट, ककरघट्टा खास व रिगवन में 40 पैकेट तथा सुल्तानपुर में 80 पैकेट बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया। विधायक ने मातहतों को सख्त लहजे में हिदायत दी कि बाढ़ राहत पैकेट वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव व अनियमितता नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने सर्वप्रथम बाढ़ का दंश झेल रही महिलाओं के बीच जाकर उनका कुशल क्षेम पूछा तथा कहा कि हमारी सरकार आप सभी के हर सुख दुःख में आप लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार है। आपकी पीड़ा हमारी पीड़ा है। अगर कोई भेदभाव आपके साथ होता है तो मुझे अवगत कराएं। आपकी लड़ाई में मैं आगे रहूँगी। इस मौके पर गोपाल जी की खुश्बू सिंह, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्रधान श्रीनिवास मिश्रा, मन्टू सिंह, लेखपाल राजेश राम, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष शीतांशु गुप्ता, अजीत सिंह, रणजीत जायसवाल, शुभम सिंह, शिवजी गुप्ता आदि रहे।

उभांव में दो बाइक की आमने सामने भिड़ंत में एक की मौत

केटी न्यूज/बलिया

जिले के उभांव थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। दूसरा मामूली रूप से घायल हुआ। वह मौके पाकर फरार हो गया। राहगीरों ने बताया कि माखन यादव (30) निवासी सहिया ग्राम सभा शाम 7 बजे मालदा स्थित अपनी कपड़े की दुकान को बंद करके घर जा रहा था। हल्दीरामपुर चट्टी के पास विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही माखन उछलकर सड़क से दूर जा गिरा। वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। दूसरी बाइक पर सवार युवक मौके से फरार हो गया। गम्भीर रूप से घायल माखन को आसपास के लोगों की मदद से सीएचसी, सीयर पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया।

एक नजर

कोलकाता एक्सप्रेस से बोरी में रखे 15 कछुओं को रेलवे पुलिस ने किया बरामद, तस्कर फरार

बलिया। रेलवे सुरक्षा बल तथा राजकीय रेलवे पुलिस के द्वारा की गयी संयुक्त कार्रवाई में ट्रेन से करीब 15 कछुआ बरामद किया है। हालांकि इस दौरान तस्कर जवानों के चंगुल से बचने में कामयाब हो गये। दोनों सुरक्षा एजेंसियों के जवान रेलवे स्टेशन की निगरानी व चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच पहुंची गाड़ी संख्या 13138 आजमगढ़ कोलकाता एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची। ट्रेन के डिब्बों की तलाशी के दौरान कोच में सीट के नीचे बोरो में रखे गये करीब 15 कछुआ मिले। जवानों ने तस्करों की खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। आरपीएफ ने इस मामले से अधिकारियों तथा वन विभाग को अवगत कराया। जानकारी होने के बाद पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों को कछुआ सुपूर्द कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो इससे पहले भी कई ट्रेनों से कछुओं की बरामद हो चुकी है। चर्चा है कि तस्कर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से कछुओं को तस्करी के जरिये पश्चिम बंगाल, आसोम तथा पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में सप्लाई करते हैं।

बगैर जांच के शौकत अली पर हुआ केस, वे अकेले नहीं हैं, पूरी यूपी खड़ी है उनके पीछे : शमीम खान

बलिया। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के वरिष्ठ नेता व प्रदेश संयुक्त सचिव मोहम्मद शमीम खान संभल में प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली साहब के दिए गए एक बयान पर कहा कि उनके बयान को मीडिया द्वारा तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। बगैर जांच पड़ताल के उन पर मुकदमा दायर कर दिया गया है। इस संबंध में शमीम खान ने बताया कि राज्यपाल से मिलने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में शौकत अली साहब ने जिस तरीके से पार्टी के ग्राफ को बढ़ाया है और तेजी से लोग पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं, उससे समाजवादी पार्टी के साथ सभी विरोधी दलों के नेताओं के पेट में दर्द होना शुरू हो गया। वो नहीं चाहते हैं कि एआईएमआईएम जैसी जमीनी पार्टी उत्तर प्रदेश में मजबूत हो। वह हमारे नेता शौकत अली साहब पर झूठे इल्जाम लगाकर उलझाना चाहते हैं। लेकिन हम एआईएमआईएम पार्टी के सिपाही घबराने वाले नहीं हैं। शौकत साहब अकेले नहीं है, पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है। कानून के दायरे में रहकर हम आंदोलन चलाने का काम करेंगे।

मॉकड्रिल के जरिए स्कूली बच्चों को मिला आपदाओं से बचाव का प्रशिक्षण

गाजीपुर। जिला मुख्यालय स्थित सनबीम स्कूल के प्रांगण में प्राकृतिक आपदाओं जैसे आग लगने से बचाव एवं भूकंप से बचने संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को इन सब आपदाओं से कैसे बचाया जाए, उसके लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें अग्निशमन यंत्रों, बालू का प्रयोग तथा आग को बुझाने के लिए प्रयोग किये जाने वाले उन सभी उपायों बारे में प्रशिक्षित किया गया। साथ ही, उनसे बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण के समय विद्यालय में लगे अग्निसूचक यंत्र को चालू करके समस्त छात्रों एवं कर्मचारियों को आग से बचाव के लिए प्रशिक्षित करके जानकारी दी गई। आग लगने पर उससे कैसे बचा जाए उसके बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अग्निसूचक यंत्र के बजते ही विद्यालय के समस्त कर्मचारियों के साथ-साथ छात्र खुले स्थान की तरफ दौड़ गये। विद्यालय के चेयरमैन केपी सिंह की मौजूदगी में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के संचालक नवीन सिंह एवं प्रधानाचार्या अर्चना कुमारी के मार्गदर्शन में पूरे कार्यशाला को संचालित किया गया। विद्यालय के संचालक नवीन कुमार सिंह ने कहा इस तरह का प्रशिक्षण अत्यंत ही आवश्यक है और हमारे विद्यालय में प्रति तीन माह पर एक बार इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है।

घाटमपुर में कोटा दुकान के लिए नारी शक्ति महिला समूह की सदस्य प्रेमा देवी का चयन

बलिया। शासन के निर्देश पर मनियर प्रखंड के ग्राम पंचायत घाटमपुर में नये राशन कोटे की दुकान आवंटन को लेकर बुधवार को पंचायत भवन पर प्रधान पुष्पा देवी की अध्यक्षता में बैठक की गई। सर्व प्रथम उपस्थित ग्रामीणों की कार्यवाही रजिस्टर पर उपस्थिती दर्ज करायी गयी। बैठक में चुनाव प्रभारी एडीओ पंचायत मनियर दिग्विजय नाथ तिवारी की देखरेख में चार महिला समूह के लोगों ने अपनी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चुनाव प्रभारी के अनुसार सरकार की गाइडलाइन के अनुसार तीन महिला समूह गाइडलाइन से बाहर होने के कारण नारी शक्ति महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य प्रेमा देवी का चयन किया गया। इस मौके पर एडीओ एजी मनोज गुप्ता, सचिव अजय कुमार, पंचायत सहायक संगीता, कृपा निधान, एचएन पाल, रोजगार सेवक संजय यादव रहे। दुकान को लेकर कोई शांति भंग न हो इसके लिए भारी संख्या में पीएसी के जवान के साथ ही एसएचओ रेवती रामायण सिंह, एसएचओ मनियर आरआर यादव, एसआई राजीव पांडेय, अरूण सिंह मौजूद रहे।

भाजपा सांसद मस्त सिविल कोर्ट में बनाएंगे मुलायम सिंह यादव संवाद केंद्र

- सांसद ने की 25 लाख रुपये देने की घोषणा

केटी न्यूज/बलिया

कार्यक्रम में उपस्थित सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त व अन्य

बलिया ने हर समय देश को नई दिशा देने का काम किया है। वर्तमान परिवेश में दलीय राजनीति के चलते इन दिनों एक-दूसरे दल के नेताओं पर मिथ्या आरोप लगाने से विरोधी दल के नेता नहीं चूकते हैं। आज के परिवेश में इसके अनेकों उदाहरण रोज देखने को मिलते हैं। पर ऐसी राजनीति से अलग हटकर बलिया के भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने एक अलग मिसाल पेश की है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में सिविल कोर्ट परिसर में संवाद केंद्र बनाने की घोषणा कर मिसाल पेश की है। राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद किसी के देहावसान पर शोक संवेदना व्यक्त करना तो हर राजनीतिक दलों की पुरानी परपंरा है। लेकिन भाजपा सांसद ने आडिटोरियम की घोषणा कर एक नई परपंरा को जन्म दे दिया है।

समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में सांसद विकास निधि से संवाद केंद्र बनाने की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने इसके लिए स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 25 लाख रुपये की राशि दिए जाने की भी सिफारिश की। प्रस्तावित संवाद केंद्र (ऑडिटोरियम) का निर्माण बलिया में डिस्ट्रिक्ट सिविल कोर्ट परिसर में किया जाएगा। भाजपा से बलिया के सांसद मस्त मंगलवार को जिला मुख्यालय पर सिविल बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए, जहां उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल को पत्र लिखकर सपा के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में संवाद केंद्र बनाने के लिए सांसद विकास निधि से पच्चीस लाख रुपए देने की सिफारिश की। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। एक विनम्र व जमीन से जुड़े नेता के रूप में उन्हें व्यापक रूप से सराहा गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण व डॉ. राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।